History
SECTION-'B'

Short Answer Type Questions

(प्रश्न सं० - 3)

उत्तर > अभिलेख पत्थर अथवा धातु जैसी अपेक्षाकृत कठोर सतहों पर उत्कीर्ण किये गये पाठ्य सामग्री को कहते हैं। प्राचीन काल से इसका उपयोग हो रहा है। शासक इसके द्वारा अपने आदेशों को इस तरह उत्कीर्ण करवाते थे, ताकि लोग उन्हें देख सके एवं पढ़ सके और पालन कर सके। आधुनिक युग में भी इसका उपयोग हो रहा है।

(प्रश्न सं० - 5)

उत्तर -> अभिलेखों का अध्ययन अभिलेख शास्त्र कहलाता है। अभिलेखों में पत्थर, धातु, मिट्टी की तख्ती, ईंट, काष्ठ आदि का उपयोग किया जाता है। अभिलेखों पर अक्षरों की खुदाई के लिए हेनी, नुकीली किले, हथौड़ा, लौहशलाका जैसी नुकीली वस्तु का उपयोग किया जाता है।

(प्रश्न सं० - 6)

उत्तर > इस कला में पहली बार बुद्ध की सुन्दर मूर्तियाँ बनायी गयी। इनके निर्माण में सफेद और काले रंग के पत्थर का व्यवहार किया गया। गंधार कला शैली की प्रमुख विशेषताएं निम्न हैं: (i) मानव शरीर की सुंदर रचना। (ii) मांसपेशियों की सूक्ष्मता। (iii) घातक कपड़ों का चित्रण।

उन्होने कथित तौर कम उम्र मे अकेले ही एक शेर को मारा था। उनका कुलनाम 'सूरी' उनके गृहनगर "सुर" से लिया गया था।

(प्रश्न सं॰ - 15)

उत्तर -> जिजिया एक प्रकार का संपति कर है। इसे मुस्लिम राज्य मे रहने वाली गैर मुस्लिम जनता से वसूल किया जाता है। इस्लामी राज्य में केवल मुसलमानों को ही रहने की अनुमति थी और यदि कोई गैर-मुसलमान उस राज्य मे रहना चाहे तो उसे जिजिया देना होगा।

(प्रश्न सं॰ - 18)

उत्तर -> इसे कमल महल या चित्रांगिनी महल के नाम से भी जाना जाता है। दो-मंजिला और बहुत शोभनीय संरचना, यह भारत-इस्लामी वास्तुकला की एक अच्छी मिसाल है। स्तंभो पर खूबसूरत बारीक नक्काशी विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

(प्रश्न सं॰ - 19)

उत्तर -> गुरुनानक सिखो के प्रथम गुरु है। इनके अनुयायी इन्हे नानक, नानकदेव जी, बाबानानक और नानकशाह नामों से संबोधित करते है।

नानक अपने व्यक्तित्व में दार्शनिक, योगी, गृहस्थ, धर्मसुधारक, समाजसुधारक, कवि, देश भक्त और विश्वबन्धु - सभी के गुण समेटे हुए थे।

(प्रश्न सं० - 20)

उत्तर -> सूफीवाद इस्लाम का एक आध्यात्मिक रहस्यवाद है तथा यह एक धार्मिक संप्रदाय है जो ईश्वर की आध्यात्मिक खोज पर ध्यान केंद्रित करता है और भौतिकवाद को नकारता है। यह इस्लामी रहस्यवाद का एक रूप है जो तपस्या पर जोर देता है। इसमें भगवान की भक्ति पर बहुत जोर दिया गया है।

(प्रश्न सं० - 21)

उत्तर -> बर्नियर ने लिखा है कि कुछ महिलाएँ स्वेच्छा पूर्वक खुशी-खुशी अपने पति के शव के साथ सती हो जाती थीं; किंतु अधिकांश को ऐसा करने के लिए विवश कर दिया जाता था।

(प्रश्न सं० - 22)

उत्तर -> उपनिवेशवाद का अर्थ है - किसी समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र द्वारा अपने विभिन्न हितों को साधने के लिए किसी निर्बल किंतु प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण राष्ट्र के विभिन्न

संसाधनों का शक्ति के बल पर उपभोग करना।

(प्रश्न सं० - 23)

उत्तर > रैयतवाड़ी पध्दति में भूमि का मालिकाना हक किसानों के पास था। भूमि को क्रय विक्रय एवं गिरवी रखने की वस्तु बना दी गई। इस पध्दति में भू राजस्व का दर वैसे तो 1/3 होता था, लेकिन उसकी वास्तविक वसूली ज्यादा थी।

(प्रश्न सं० - 24)

उत्तर > 1857 के विद्रोह का तात्कालिक कारण ब्रिटिश सेना द्वारा सेना में "चर्बी-युक्त कारतूसों वाले एनफील्ड राइफल का इस्तेमाल करना" था। यह अफवाह थी कि ये कारतूस गाय और ~~बैल~~ सुअर की चर्बी के बने हुए थे।

* सिंधु घाटी (हड़प्पा सभ्यता) की नगर - योजना का वर्णन करें

= सिंधु घाटी के लोग नगरों में रहने वाले थे, वे नगर स्थापना में बड़े कुशल थे, उन्होंने हड़प्पा मोहनजोदड़ो कालीबंगा लोथल, रोपड़ जैसे अनेक नगरों का निर्माण किया, उनकी नगर व्यवस्था के संबंध में निम्नलिखित विशेषताएँ उल्लेखनीय हैं-

1. हड़प्पा संस्कृति के नगर एक विशेष योजना के अनुसार बनाये गये थे, इन लोगों ने बिल्कुल सीधी (90° के कोण पर काटती हुई) सड़कों व गलियों का निर्माण किया था, ताकि एक मौके के अनुसार चलने वाली वायु उन्हें अपने आप ही साफ कर दे।

2. उनकी जल निकासी की व्यवस्था बड़ी शानदार थी। नालियाँ बड़ी सरलता से साफ हो सकती थीं। किसी भी भवन को अपनी सीमा से आगे कभी नहीं बढ़ने दिया जाता था और न ही बर्तनों पकाने वाली किसी भी भट्ठी को नगर के अन्दर बनाने दिया जाता था, अर्थात् अनाधिकृत निर्माण (unauthorised constructions) नहीं किया जाता था।

Q1. प्राचीन भारतीय इतिहास के जानने के विभिन्न स्रोतों का वर्णन करें

Ans: मानव की विभिन्न विशिष्ट घटनाओं का ही दूसरा नाम इतिहास है, प्राचीन भारत के इतिहास को जानने के साधन हैं — पुराण, शिलालेख, आख्यायिका, धर्मशास्त्र और अर्थशास्त्र आदि

1. वेद : आर्यों का प्राचीनतम ग्रंथ वेद है। चारों वेद मे इतिहास की सामग्री मिलती है।

2. रामायण एवं महाभारत : रामायण से तत्कालीन राजनीतिक, सामाजिक एवं धार्मिक स्थिति का सम्यक ज्ञान प्राप्त होता है। महाभारत के रचयिता व्यास हैं। महाभारत पुराने जमाने के धर्म, राजनीतिक एवं समाज पर प्रकाश डालता है।

3. पुराण एवं स्मृतियाँ : इनके बाद पुराण आते हैं। इनकी संख्या 18 है। पुराणों में नंद, शुंग, कण्व, आन्ध्र तथा गुप्तवंशों की वंशावलियाँ प्राप्त होती हैं।

4. लौकिक साहित्य : "राजतरंगिणी" को यदि भारतवर्ष का प्रथम महाग्रंथ कहा जाय तो अनुचित नहीं होगा। इसकी रचना 1149 ई. में हुई थी

5. अर्द्ध-ऐतिहासिक ग्रन्थ : इसमें पाणिनी की "अष्टाध्यायी" है जो एक व्याकरण ग्रन्थ होते हुए भी मौर्यों के पहले और बाद की राजनीतिक दशा पर प्रकाश डालता है।

6. जीवनियाँ : जीवनियों से भी काफी इतिहास मिलता है, बाणभट्ट के लिखे हुए हर्षचरित में हर्ष के प्रारम्भिक जीवन एवं दिग्विजयों का वर्णन है। कालिदास के कई नाटकों का अध्ययन कर सकते हैं, इनसे इतिहास का अच्छा परिचय मिलता है।